2/5/2021

INTER

Date | Page No.

Part B. Ch - 9

Long Answer Type questions

Q1. मंत्रियों के व्यक्तिगत व सामूहिक उत्तरदायित्व में अंतर बताइए।

Ans → संसदीय प्रणाली में मंत्रीगण संसद या उसके लोकप्रिय सदन के प्रति उत्तरदायी होते हैं। यह उत्तरदायित्व दो प्रकार का होता है — व्यक्तिगत व सामूहिक। व्यक्तिगत उत्तरदायित्व का मतलब है कि हर मंत्री अपने किए गए या न किए गए काम के लिए उत्तरदायी है। अतः प्रधानमंत्री उसका त्याग पत्र माँग सकता है। सामूहिक उत्तरदायित्व का अर्थ है कि सभी मंत्रीगण साथ तैरते व साथ डूबते हैं यदि सदन में अविश्वास का प्रस्ताव पारित हो जाए, तो प्रधान मंत्री त्यागपत्र देता है जो सभी का त्यागपत्र माना जाता है।

Q2. गठबंधन सरकार से आप क्या समझते हैं?

Ans → गठबंधन दो या दो से अधिक राजनीतिक दलों द्वारा किया जाने वाला औपचारिक या अनौपचारिक समझौता है।

Teacher's Signature........

Ch-9

Part-B

जिसके द्वारा वे अपनी राजनीतिक शक्ति और प्रभाव को बढ़ाने का प्रयास करते हैं। अधिकांश गठबंधन लोकसभा और विधान-सभा के चुनाव के पश्चात् किसी एक दल द्वारा बहुमत प्राप्त न कर पाने की स्थिति में मिली जुली सरकार का गठन करने के लिए अस्तित्व में आते हैं, यही गठबंधन सरकार कहलाती है।

Q3 भारत में गठबंधन सरकारों का बनना क्यों अपरिहार्य हो गया है?

Ans → हमारी संसदीय प्रणाली में उसी पार्टी को सरकार बनाने का अवसर मिलता है जिसे लोकसभा में स्पष्ट बहुमत प्राप्त हो। यही कारण है कि 1952, 1957, 1962, 1967, 1971 और 1980 में कांग्रेस को सरकार बनाने का मौका मिला। लेकिन 1977, 1989 व 1990 में गैर-कांग्रेसी सरकारें बनी। 1991 में नरसिंहराव ने कांग्रेस की सरकार बनाई जिसे कुछ कांग्रेसी सांसदों का समर्थन मिला। लेकिन 1996, 1998, 1999 तथा 2004 में कोई भी पार्टी चुनावों में स्पष्ट बहुमत प्राप्त न कर सकी वर्तमान स्थिति को देख कर ऐसा आकलन किया जा सकता

Teacher's Signature.....

Scanned by CamScanner

Part - B. ch - 9

है कि अब कोई भी पार्टी लोक सभा में स्पष्ट बहुमत प्राप्त नहीं कर सकेगी।

Q4. भारत में गठबंधन सरकार के पक्ष व विपक्ष में किन्हीं दो तर्कों का उल्लेख कीजिए?

Ans →

संसदीय प्रणाली में वह दल अपनी सरकार बनाता है जिसे संसद के लोकप्रिय सदन में स्पष्ट बहुमत प्राप्त होता है इसलिए 1952, 1957, 1962, 1967 व 1971 के चुनावों के फलस्वरूप कांग्रेस पार्टी को सरकार बनाने का अवसर मिला यदि कोई पार्टी स्पष्ट बहुमत प्राप्त नहीं कर सकती तो गठबंधन सरकार बनती है अर्थात् कई पार्टियाँ मिलकर बहुमत बनाती हैं तथा उनका सांझा नेता प्रधानमंत्री बनता है। 1989, 1990, 1996, 1997, 1998, 1999, 2004 व 2009 में गठबंधन सरकार बनी। इसके पक्ष में दो तर्क दिए जा सकते हैं। प्रथम अनेक दलों को सत्ता में आने और अपने कार्यक्रम को लागू करने का अवसर मिलता है। दूसरे गठबंधन के कारण किसी एक पार्टी का प्रभुत्व

Teacher's Signature..........

Part-B - Ch-9

स्थापित नहीं हो सकता। लेकिन साथ ही साथ इसके दो दोष भी बताए जा सकते हैं। प्रथम शासन में स्थायित्व नहीं आ पाता क्योंकि थोड़े समय के बाद ही सरकारें गिर जाती है। दूसरे सामूहिक उत्तर-दायित्व का सूत्र सच्चे अर्थ में लागू नहीं हो सकता।

Q.8. लोकतंत्र को प्रतिनिधि शासन क्यों कहा जाता है?

Ans → लोकतंत्रीय व्यवस्था को मोटे तौर पर दो प्रकार से संचालित किया जा सकता है —

① प्रत्यक्ष प्रजातंत्र
② परोक्ष प्रजातंत्र या प्रतिनिधि शासन।

चूँकि आज विश्व में बड़े-बड़े राष्ट्र अस्तित्व में है जिनकी करोड़ों की आबादी तथा विशाल आकार के कारण वहाँ जनता सीधे शासन नहीं चला सकती अर्थात् प्रत्यक्ष प्रजातंत्र वहाँ व्यवहारिक रूप से संभव नहीं है।

आजकल जनता द्वारा अपने प्रतिनिधि चुनकर उनको देश को बागडोर सौंप दी जाती है। अधिकांश देशों में लोकतंत्र का यही रूप प्रचलित है।

Teacher's Signature.....

Scanned by CamScanner

Part - B Ch - 9

Q6. आपात काल के बाद के दौर में भाजपा एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभारी। इस दौर में इस दौर में इस पार्टी के विकास क्रम का उल्लेख कीजिए।

Ans →

इंदिरा गांधी के शासन के समय (1975 से 1977 तक) लगभग 18 महीने आपातकाल रहा। 1977 में जनता पार्टी ने सरकार बनाई। भारतीय जन संघ जनता पार्टी में मिल गया। लेकिन 1980 में पुराने जनसंघ वालों ने जनता पार्टी छोड़कर अपनी भारतीय जनता पार्टी बना ली। अटल बिहारी वाजपेयी इसके अध्यक्ष बने।

1980 का दशक कुछ पार्टियों और आंदोलनों के उभार का साक्षी रहा। 1989 में बनी संयुक्त मोर्चा की सरकार में इन पार्टियों ने अहम भूमिका निभाई। इसमें जनता दल और कई क्षेत्रीय पार्टियाँ शामिल थीं। इसे भाजपा ने बाहर से समर्थन दिया। अक्टूबर 1990 में भाजपा ने अपना समर्थन वापस लिया तभी वी. पी. सिंह की सरकार गिरी और उसकी जगह चन्द्रशेखर ने मिली जुली सरकार बनाई जिसे कांग्रेस कांग्रेस ने बाहर से

#

Scanned by CamScanner

Date
Page No.

\# समर्थन दिया। जब कांग्रेस ने अपना समर्थन वापस लिया तो लगभग 6 महीने बाद यह सरकार गिर गई।

भाजपा ने 1991 तथा 1996 के चुनावों में अपनी स्थिति लगातार मजबूत की। 1996 के चुनावों में यह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। इस नाते भाजपा को सरकार बनाने का मौका मिला। लेकिन अधिकांश दल भाजपा की कुछ नीतियों के खिलाफ थे और इस वजह से भाजपा की सरकार लोकसभा में विश्वासमत प्राप्त नहीं कर सकी। जनता दल के देवेगौडा व गुजराल ने मिली-जुली सरकारें बनाई। भाजपा एक गठबंधन (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) के अगुआ के रूप में सत्ता में आई और मई 1998 से जून 1999 तक सत्ता में रही। फिर 1999 में इस गठबंधन ने सत्ता हासिल की। राजग की इन दोनों सरकारों में अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने।

Q7 कांग्रेस के प्रभुत्व का दौर समाप्त हो गया है। इसके बावजूद देश की राजनीति पर कांग्रेस का असर कायम है। क्या आप इस बात से सहमत हैं?

\#

Teacher's Signature..................

Scanned by CamScanner

Part B ch-9

#

6 Ans → कांग्रेस के प्रमुख का दौर समाप्त हो गया है इसके बावजूद देश की राजनीति पर कांग्रेस का असर कायम है। 1989 में कांग्रेस पार्टी की हार हुई। लोकसभा के चुनाव में कांग्रेस 197 सीटें प्राप्त कर सकी। 1991 में चुनाव हुए इस बार कांग्रेस अपनी स्थिति सुधारते हुए सत्ता में आई। यद्यपि कांग्रेस एक महत्वपूर्ण पार्टी के रूप में कायम रही। 1989 के बाद भी देश पर किसी अन्य पार्टी के बजाय उसका शासन ज्यादा दिनों तक रहा। लेकिन दलीय प्रणाली के भीतर जैसी प्रमुखता, जो पहले हासिल थी, अब नहीं रही।

कांग्रेस देश की सबसे बड़ी पार्टी है। 2004 के चुनाव में कांग्रेस की स्थिति फिर सुधरी। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में एक बार फिर कांग्रेस पार्टी अपने पुनर्स्थापना की ओर अग्रसर हुई।

Teacher's Signature..................

Scanned by CamScanner